पाठ – 4 जाति, धर्म और लैंगिक मसले

प्रश्नावली

Q1. जीवन के उन विभिन्न पहलुओं का ज़िक्र करें जिनमें भारत में स्त्रियों के साथ भेदभाव होता है या वे कमज़ोर स्थिति में होती हैं।

उत्तर : भारत में स्त्रियों के साथ भेदभाव किया जाता है और निम्न तरीकों से वंचित किया जाता है: I. उन्हें पर्याप्त शिक्षा नहीं दी जाती है। महिलाओं में साक्षरता दर केवल 54% है जबकि पुरुषों में 76%| स्कूल पास करने वाली लड़कियों में से कुछ ही सिर्फ उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं | क्योंकि माँ-बाप अपने संसाधन लड़कों पर खर्च करना ज्यादा पसंद करते है | II. उनके द्वारा किया गया अधिकांश श्रम अवैतनिक है। जहां उन्हें उनके काम के लिए भुगतान किया जाता है, उन्हें पुरुषों की तुलना में कम वेतन मिलता है। III. काम के हर क्षेत्र में महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम मजदूरी मिलती है, चाहे दोनों का काम समान हो | IV. बालक के लिए वरीयता के कारण, देश के कई हिस्सों में कन्या भ्रूण हत्या का प्रचलन है। V. महिलाओं के उत्पीड़न, शोषण और घरेलु हिंसा की खबरें तो सामान्य है |

Q2. विभिन्न तरह की सांप्रदायिक राजनीति का ब्यौरा दें और सबके साथ एक-एक उदाहरण भी दें।

उत्तर : सांप्रदायिक राजनीति के विभिन्न रूप निम्नलिखित है – · रोजमर्रा की मान्यताओं में सांप्रदायिक श्रेष्ठता की अभिव्यक्ति - इनमें धार्मिक पूर्वाग्रह, धार्मिक समुदायों के बारे में बनी बनाई धारणाएँ और एक धर्म को दूसरे से श्रेष्ठ मानने की मान्यताएँ शामिल हैं | मिलिटेंट धार्मिक समूह इसका एक अच्छा उदाहरण हैं। · एक प्रमुख प्रभुत्व या एक अलग राज्य बनाने की इच्छा - सांप्रदायिक सोच अपने धार्मिक समुदाय का राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करने की फ़िराक में रहती है | जम्मू-कश्मीर और मध्य भारत में अलगाववादी नेता और राजनीतिक दल इसका एक उदाहरण हैं। · मतदाताओं को अपील करने के लिए राजनीति में धार्मिक प्रतीकों और नेताओं का उपयोग - इसमें धर्म के पवित्र प्रतीकों, धर्मगुरुओं, भावनात्मक अपील और अपने ही लोगों के मन में डर बैठाने के तरीकों का उपयोग आम है | · इन सबके अलावा, सांप्रदायिक राजनीति 2002 में गुजरात में हुए दंगों की तरह सांप्रदायिक हिंसा और दंगों का रूप ले सकती है।

Q3. बताइए कि भारत में किस तरह अभी भी जातिगत असमानताएँ जारी हैं।

उत्तर : जाति के आधार पर विभाजन सिर्फ भारत में ही देखने को मिलता है | · आज भी एक जाति समूह के लोग अन्य जाति समूहों में न तो अपने बच्चों की शादी करते है और न ही उनके साथ बैठकर भोजन कर सकते है | · वर्ण व्यवस्था आज भी देखने को मिलती है | 'अंत्यज ' लोगों के साथ आज भी छुआछूत का व्यवहार किया जाता है | · जिन जातियों को पहले शिक्षा से वंचित रखा जाता था वे आज भी पिछड़े हुए है | · चुनाव क्षेत्र में भी पार्टियाँ मतदाताओं की जातियों का हिसाब ध्यान में रखती है |

Q4. दो कारण बताएँ कि क्यों सिर्फ़ जाति के आधार पर भारत में चुनावी नतीजे तय नहीं हो सकते।

उत्तर : जाति के आधार पर भारत में चुनावी नतीजे तय नहीं हो सकते क्योंकि कोई भी पार्टी किसी एक जाति या समुदाय के सभी लोगों का वोट हासिल नहीं कर सकती | देश के किसी भी एक संसदीय चुनाव क्षेत्र में किसी एक जाति के लोगों का बहुमत नहीं है |

Q5. भारत के विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की स्थिति क्या है?

उत्तर : जब विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की बात आती है, तो भारत का नंबर दुनिया के सबसे निचले देशों में से एक है। महिलाओं का प्रतिनिधित्व हमेशा लोकसभा में 10% से कम और राज्य विधानसभाओं में 5% रहा है। स्थानीय सरकारी निकायों (पंचायतों और नगर पालिकाओं) में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में 10 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। महिला संगठनों और कार्यकर्ताओं की माँग है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में भी एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर देनी चाहिए |

Q6. किन्हीं दो प्रावधानों का जिक्र करें जो भारत को धर्मनिरपेक्ष देश बनाते हैं।

उत्तर : भारत को धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाने वाले दो संवैधानिक प्रावधान हैं: · संविधान सभी व्यक्तियों और समुदायों को किसी भी धर्म को मानने, अभ्यास करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है| · संविधान धर्म के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाता है।

Q7. जब हम लैंगिक विभाजन की बात करते हैं तो हमारा अभिप्राय होता हैं :
(क) स्त्री और पुरुष के बीच जैविक अंतर
(ख) समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ
(ग) बालक और बालिकाओं की संख्या का अनुपात |
(घ) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में महिलाओं को मतदान का अधिकार न मिलना |

उत्तर : (ख) समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ

Q8. भारत में यहाँ औरतों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है :
(क) लोकसभा
(ख) विधानसभा
(ग) मंत्रिमंडल
(घ) पंचायती राज की संस्थाएँ

उत्तर : (घ) पंचायती राज की संस्थाएँ

Q9. सांप्रदायिक राजनीति के अर्थ संबंधी निम्नलिखित कथनों पर गौर करें | सांप्रदायिक राजनीति इस धारणा पर आधारित है कि :

(अ) एक धर्म दूसरों से श्रेष्ठ है |

(ब) विभिन्न धर्मों के लोग समान नागरिक के रूप में खुशी-खुशी साथ सकते हैं।

(स) एक धर्म के अनुयायी एक समुदाय बनाते हैं।

(द) एक धार्मिक समूह का प्रभुत्व बाकी सभी धर्मों पर कायम करने में शासन की शक्ति का प्रयोग

नहीं किया जा सकता। इनमें से कौन या कौन -कौन सा कथन सही है?
(क) अ, ब, स और द (ख) अ, ब और द (ग) अ और स (घ) ब और द

उत्तर : (ग) अ और स

Q10. भारतीय संविधान के बारे में इनमें से कौन सा कथन गलत है?
(क) यह धर्म के आधार पर भेदभाव की मनाही करता है |
(ख) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बताता है |
(ग) सभी लोगों को कोई भी धर्म मानने की आज़ादी देता है |
(घ) किसी धार्मिक समुदाय में सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है |

उत्तर : (ख) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बताता है |

Q11. ....पर आधारित सामाजिक विभाजन सिर्फ़ भारत में ही है।

उत्तर : जाति पर आधारित सामाजिक विभाजन सिर्फ़ भारत में ही है।

Q12. सूची I और सूची II का मेल कराएँ और नीचे दिए गए कोड के आधार पर सही जवाब खोजें |

	सूची I	सूची II
1.	अधिकारों और अवसरों के मामले में स्त्री और पुरुष की बराबरी मानने वाला व्यक्ति	(क) साम्प्रदायिक
2.	धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति	(ख) नारीवादी
3.	जाति को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति	(ग) धर्मनिरपेक्ष
4.	व्यक्तियों के बीच धार्मिक आस्था के आधार पर भेदभाव न करने वाला व्यक्ति	(घ) जातिवादी

	1	2	3	4
(सा)	ख	ग	क	घ
(रे)	ख	क	घ	ग
(गा)	घ	ग	क	ख
(मा)	ग	क	ख	घ

उत्तर : (रे) ख क घ ग